

छठा हृदय महासागर सम्मेलन

प्रलिस के लयः

हृदय महासागर कषेत्र, दकषण-पूरव एशयाई देशों का संघ (आसयान), बहु-कषेत्रीय तकनीकी और आर्थक सहयोग हेतु बंगाल की खाड़ी पहल (BIMSTEC), जलवायु परवरतन, समुद्री परदूषण

मेन्स के लयः

हृदय महासागर कषेत्र से संबंधत परमुख चुनौतयाँ

चर्चा में कयाँ?

छठे हृदय महासागर सम्मेलन, जो कठिाका, बांग्लादेश में आयोजत कया गया, के दौरान हृदय महासागर कषेत्र में कनेक्टवतत में सुधार एवं वसतार परमुख केंद्र बढु रहा है ।

- सम्मेलन में "शांत समुदध और लचीले भवषय हेतु साझेदारी" थीम के साथ कषेत्र में शांत एवं स्थरता बनाए रखते हुए आर्थक वकस को बढावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लय 25 से अधक देशों के परतनधयों ने भाग लया ।

परमुख बढु

- कनेक्टवततः** भारत हृदय महासागर कषेत्र में एक महत्त्वपूरण अभकवतता होने के नाते बेहतर कनेक्टवतत हासल करने में वभनन चुनौतयाँ का सामना करता है ।
 - दकषण-पूरव एशया के साथ भूमसंपर्क स्थापत करना भारत के लय बढी कठनयाँ हैं । चुनौतयाँ के बावजूद बाधाओं को दूर करने एवं कनेक्टवतत में सुधार हेतु सामूहक परयासों का आहवान कया गया है ।
 - भारतीय वदश मंत्री ने दकषण-पूरव एशयाई देशों के संगठन (आसयान) के साथ एक परभावी और कुशल कनेक्टवतत स्थापत करने के संभावत क्रांतकारी परभाव पर ज़ोर दया ।
 - भारत की खाड़ी और मध्य एशया में मलती-मॉडल कनेक्टवतत वकसत करने इच्छा है ।
 - कनेक्टवतत चुनौतयाँ से नपटने और कषेत्रीय वकस को बढावा देने के लय हृदय महासागरीय कषेत्र के देशों को सहयोग की सराहना करने और दीर्घकालक परणामों की ओर देखने आवशकता है:
 - बहु-कषेत्रीय तकनीकी और आर्थक सहयोग के लय बंगाल की खाड़ी पहल (बमिस्टेक) जैसे उदाहरण मज़बूत सहयोग और साझा परयासों के महत्त्व को परदर्शत करते हैं ।
- कानूनी दायतत्वों और समझौतों को बनाए रखना:** कानूनी दायतत्वों की अवहेलना करने अथवा लंबे समय से चले आ रहे समझौतों का उल्लंघन करने से सदस्य देशों के बीच वशवास और भरोसे में कमी आ सकती है । नरंतर परगत सुनशकत करने के लय सहयोग का दीर्घकालक दृषकण रखना आवशक है ।
 - स्थर अंतरराषट्रीय वयवस्था की स्थापना के लय अंतरराषट्रीय कानून, मानदंडों और नयमों का पालन महत्त्वपूरण है ।
- धारणीय परयोजनाएँ और ऋण:** अवयवहार्य परयोजनाओं द्वारा सृजत अवहनीय ऋण इस कषेत्र के देशों के लय एक चतता का वषय है (उदाहरण-श्रीलंका) ।
 - आने वाले समय में जटलताओं से बचने के लय पारदर्शी ऋण परथाओं को प्रोत्साहत करना और बाज़ार की वास्तवकताओं पर वचार करना आवशक है ।
- साझा ज़मिमेदारी और वषय:** हृदय महासागर कषेत्र में स्थरता और समुदध सुनशकत करने के लय साझा ज़मिमेदारी और केंद्रत परयासों की आवशकता है ।
 - समुद्री सुरकषा सुनशकत करना एक सामूहक ज़मिमेदारी है, वयकतगत परभुत्व के लय इससे समझौता नहीं कया जाना चाहय । साथ ही कई वयावहारक कदम उठाए जाने की भी आवशकता है ।
 - इस सम्मेलन में जलवायु कार्रवाई और आतंकवाद वरीधी पहल के महत्त्व पर भी परकाश डाला गया । देशों को अपने सामाजक संरचना की रकषा करते हुए उग्रवाद और कट्टरवाद से उत्पन्न खतरों से नपटने के लय आवशक समाधान सुनशकत करना चाहय ।

हदि महासागर सम्मेलनः

- हदि महासागर सम्मेलन, [क्षेत्र में सभी के लिये सुरक्षा और विकास \(सागर\)](#) हेतु क्षेत्रीय सहयोग की संभावनाओं पर वचिार-वमिरश करने के लिये हदि महासागर के देशों का एक प्रमुख परामर्शी मंच है। यह प्रक्रिया वर्ष 2016 में शुरू हुई थी।
- हदि महासागर सम्मेलन का पहला संस्करण वर्ष 2016 में सागिपुर में और पाँचवाँ वर्ष 2021 में अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात में आयोजति कया गया था।

हदि महासागर क्षेत्र से संबंधति प्रमुख चुनौतियाँ:

- भू राजनीतिक प्रतयोगति:** हदि महासागर क्षेत्र प्रमुख शक्तियों और क्षेत्रीय अभनिताओं के बीच भू-राजनीतिक प्रतसिपर्द्धा के लिये एक आकर्षण का केंद्र है। प्रतयोगति में रणनीतिक हति, प्रभाव और संसाधनों तक पहुँच शामिल है, जिससे तनाव और संघर्ष होते हैं।
 - हदि महासागर भारत, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और मध्य-पूर्व तथा अफ्रीका के देशों सहति प्रमुख वैश्विक शक्तियों के बीच एक केंद्रीय स्थति रिखता है।
 - यह क्षेत्र शक्ति प्रक्षेपण और क्षेत्रीय मामलों पर प्रभाव की अनुमति देता है। **होरमुज़ जलडमरूमध्य, बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य और मलक्का जलडमरूमध्य** जैसे प्रमुख चोकपाइंट्स की उपस्थति इसके सामरिक महत्त्व को और बढ़ाती है।
- चीन का सैन्यीकरण का कदम:** चीन हदि महासागर में भारत के हतियों और स्थरिता के लिये एक चुनौती रहा है।
 - भारत के पड़ोसी चीन से सैन्य और ढाँचागत सहायता प्राप्त कर रहे हैं, जिसमें **म्याँमार के लिये पनडुबियाँ, श्रीलंका के लिये फ्रिगट और जब्रिती (हॉर्न ऑफ अफ्रीका) में इसका वदिशी सैन्य अड्डा** शामिल है।
 - साथ ही **हबनटोटा बंदरगाह (श्रीलंका) पर भी चीन का कब्ज़ा है**, जो भारत के तटों से कुछ सौ मील की दूरी पर है।
- समुद्री सुरक्षा खतरे:** IOR **समुद्री डकैती**, तस्करी, **अवैध मछली पकड़ने** और आतंकवाद सहति वभिन्न समुद्री सुरक्षा खतरों के प्रतसिपर्द्धा संवेदनशील है।
 - साथ ही हदि महासागर की वशिलता इसके समुद्री क्षेत्र की प्रभावी ढंग से नगिरानी और सुरक्षा करना चुनौतीपूर्ण बना देती है।
- पर्यावरणीय चुनौतियाँ:** **जलवायु परविरतन, समुद्र का बढ़ता स्तर, परवाल भतितियों का कषरण और समुद्री परदूषण** IOR में महत्त्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियाँ शामिल हैं।
 - ये मुद्दे तटीय समुदायों, समुद्री पारस्थितिक तंत्र और लाखों लोगों की आजीविका को प्रभावति करते हैं।

आगे की राह

- नीली अर्थव्यवस्था की पहल :** IOR समुद्री संसाधनों से समृद्ध है और नीली अर्थव्यवस्था का लाभ उठाने से स्थायी आर्थिक विकास हो सकता है। समुद्री संसाधनों से नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने, टिकाऊ मत्स्य पालन का समर्थन करने, **समुद्री जैव प्रौद्योगिकी को वकिसति करने और पर्यावरण पर्यटन को बढ़ावा देने** की आवश्यकता है।
- समुद्री सुरक्षा सहयोग:** IOR के रणनीतिक महत्त्व को देखते हुए समुद्री सुरक्षा को बढ़ाना महत्त्वपूर्ण है।
 - सूचना-साझाकरण तंत्र को मज़बूत करने, समुद्री डोमेन जागरूकता के लिये **प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने, संयुक्त नौसैनिक अभ्यास एवं गश्त को बढ़ावा देने** तथा **समुद्री डकैती, अवैध मत्स्यन और तस्करी** जैसे समुद्री खतरों को कम करने में सहयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।
- जलवायु परविरतन लचीलापन:** IOR जलवायु परविरतन के प्रभावों के प्रतसिपर्द्धा संवेदनशील है, जिसमें समुद्र का बढ़ता स्तर, चरम मौसमी घटनाएँ और समुद्र का अम्लीकरण शामिल है। नवोन्मेषी रणनीतियाँ **जलवायु-लचीले बुनयािदी ढाँचे को लागू करने, पूर्व चेतावनी प्रणाली वकिसति करने, स्थायी तटीय प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देने** तथा **जलवायु परविरतन अनुकूलन एवं शमन के लिये क्षेत्रीय सहयोग** को सुवधाजनक बनाने पर ध्यान केंद्रति कर सकती है।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. भारत नमिनलखिति में से कसिका सदस्य है? (2015)

- एशिया - प्रशांत महासागरीय आर्थिक सहयोग
- दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संघ
- पूर्वी एशिया शखिर सम्मेलन

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजयि:

- केवल 1 और 2
- केवल 3

(c) 1, 2 और 3

(d) भारत इनमें से किसी का भी सदस्य नहीं है

उत्तर: (b)

????? ??????

प्रश्न. भारत-रूस रक्षा सौदों के बदले भारत-अमेरिका रक्षा सौदों का क्या महत्त्व है? हृदि-प्रशांत क्षेत्र में स्थरिता के संदर्भ में चर्चा कीजयि। (2020)

स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/6th-indian-ocean-conference>

